दिलकश अदाओं से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया मधुबाला ने

बॉलीवुड में मधुबाला को एक ऐसी अभिनेत्री के रूप में याद किया जाता जिन्होंने अपनी दिलकश अदाओं और दमदार अभिनय से लगभग चार दशक तक सिने प्रेमियों का भरपूर मनोरंजन किया.

मधुबाला .मूल नाम. मुमताज बेगम देहलवी. का जन्म दिल्ली में 14 फरवरी 1933 को हुआ था. उनके पिता अताउल्लाह खान में रिक्शा चलाया करते थे. तभी उनकी मुलाकात एक नजूमी (भविष्यवक्ता) कश्मीर वाले बाबा से हुयी जिन्होंने भविष्यवाणी की कि मधुबाला बड़ी होकर बहुत शोहरत पाएगी. इस भविष्यवाणी को अताउल्लाह खान ने गंभीरता से लिया और वह मधुबाला को लेकर मुंबई आ गये. वर्ष 1942 में मधुबाला को बतौर बाल कलाकार ..बेबी मुमताज..के नाम से फिल्म बसंत में काम करने का मौका मिला. बेबी मुमताज के सौंदर्य से अभिनेत्री देविका रानी काफी मुग्ध हुयी और उन्होंने उनका नाम 'मधुबाला' रख दिया. उन्होंने मधुबाला से बॉम्बे टाकीज की फिल्म 'ज्वार भाटा' में दिलीप कुमार के साथ काम करने की पेशकश भी कर दी. लेकिन मधुबाला उस फिल्म में किसी कारणवश काम नही कर सकी.

'ज्वारभाटा' हिंदी की महत्वपूर्ण फिल्मों में से एक है. इसी फिल्म से अभिनेता दिलीप कुमार ने अपने सिने कैरियर की शुरूआत की थी. मधुबाला को फिल्म अभिनेत्री के रूप में पहचान निर्माता निर्देशक केदार शर्मा की वर्ष 1947 मे प्रदर्शित फिल्म 'नीलकमल' से मिली. इस फिल्म में उनके अभिनेता थे 'राजकपूर'. नील कमल बतौर अभिनेता राजकपूर की पहली फिल्म थी.

रणदीप ने कोल्हापुर महालक्ष्मी मंदिर में लिया आशीर्वाद

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा ने कोल्हापुर महालक्ष्मी मंदिर में आशीर्वाद लिया. रणदीप हाल ही में कोल्हापुर में नज़र आए, जहाँ वह अपनी अगली फिल्म 'ईथा' की शूटिंग कर रहे हैं. इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर कर रहे हैं. शूटिंग के दौरान रणदीप कोल्हापुर के प्रसिद्ध महालक्ष्मी मंदिर, जिसे अंबाबाई मंदिर भी कहा जाता है, में दर्शन और आशीर्वाद लेने पहुँचे.

रणदीप इन दिनों श्रद्धा कपूर के साथ 'ईथा' की आखिरी शूटिंग कर रहे हैं. व्यस्त शेड्यूल के बीच उन्होंने समय निकालकर माँ महालक्ष्मी की पूजा-अर्चना की. 7वीं शताब्दी से जुड़ा यह प्राचीन मंदिर अपनी आध्यात्मिक और ऐतिहासिक महत्ता के लिए जाना जाता है. मान्यता है कि यहाँ दर्शन करने से समृद्धि, सुरक्षा और शक्ति का आशीर्वाद मिलता है. ऐसे खास समय में, जब रणदीप अपने जीवन के नए चरण पिता बनने की तैयारी कर रहे हैं, यह यात्रा उनके लिए और भी भावुक और खास रही. उनकी पत्नी लिन लैशराम और रणदीप मार्च में अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाले हैं, जो फिल्म की शूटिंग पूरी होने के तुरंत बाद का समय होगा.

रणदीप के करीबी सूत्र ने बताया, 'यह समय रणदीप के जीवन में बहुत बदलाव लेकर आया है. वह एक महत्वपूर्ण फिल्म की शूटिंग पूरी कर रहे हैं और साथ ही पिता बनने की तैयारी भी कर रहे हैं, जिसे लेकर वह बहुत भावुक और उत्साहित हैं. कोल्हापुर महालक्ष्मी मंदिर में दर्शन करना उनके लिए बहुत ही खास और आध्यात्मिक अनुभव था.'

तापसी पन्नू की कोर्टरूम ड्रामा ने वीकेंड पर दिखाया दम

तापसी पन्नू स्टारर 'अस्सी' ने धीमी शुरुआत के बाद तीसरे दिन उछाल दिखाया. संडे को फिल्म ने 1.80 करोड़ कमाए और ओपनिंग वीकेंड कलेक्शन 5 करोड़ के करीब पहुंचा.

सामाजिक मुद्दों पर आधारित दमदार फिल्में बनाने के लिए पहचाने जाने वाले निर्देशक अभिनव सिन्हा एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं. उनकी नई फिल्म अस्सी हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई है. तापसी पन्नू स्टारर इस फिल्म का दर्शकों को लंबे समय से इंतजार था. हालांकि, रिलीज के शुरुआती दो दिनों में फिल्म को घरेलू बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत मिली. लेकिन तीसरे दिन यानी रविवार को फिल्म ने रफ्तार पकड़ने की कोशिश की और कमाई में उछाल दर्ज किया. ऐसे में चलिए जानते हैं फिल्म के तीसरे दिन का कलेक्शन.

बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म ने अपने तीसरे दिन लगभग 1.80 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. यह आंकड़ा शनिवार की तुलना में बेहतर माना जा रहा है. शुरुआती दिनों की सुस्त रफ्तार के बाद यह उछाल मेकर्स के लिए राहत भरी खबर है. 'अस्सी' की कहानी समाज में महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न जैसे संवेदनशील मुद्दे को सामने लाती है. फिल्म में दिखाया गया है कि ऐसे मामलों में कानून व्यवस्था किस तरह काम करती है और पीड़ितों को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है.

57 वर्ष की हुईं भाग्यश्री

बॉलीवुड की जानी मानी अभिनेत्री भाग्यश्री आज 57 वर्ष की हो गयी. 23 फरवरी 1969 को मुंबई में जन्मीं भाग्यश्री ने अपने अभिनय जीवन की शुरुआत वर्ष 1987 में टीवी पर प्रसारित अमोल पालेकर की.. कच्ची धूप से की. भाग्यश्री ने बॉलीवुड में अपना करियर वर्ष 1989 में प्रदर्शित फिल्म ..मैने प्यार किया ..से शुरू किया. सूरज बड़जात्या निर्देशित इस फिल्म में सलमान खान और भाग्यश्री की जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया.फिल्म टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुयी. इस बीच भाग्यश्री ने हिमालय दासानी के साथ शादी कर ली. शादी के बाद भाग्यश्री की कैद में है बुलबुल,त्यागी,पायल और घर आया मेरा परदेसी जैसी कुछ फिल्में प्रदर्शित हुयी लेकिन सभी फिल्मों ने टिकट खिड़की पर दम तोड़ दिया.

इन फिल्मों की नाकामयाबी के बाद भाग्यश्री ने फिल्मों में काम करना बंद कर दिया. वर्ष 2001 में प्रदर्शित फिल्म 'हेल्लो गर्ल्स' के जरिये भाग्यश्री ने एक बार फिर से बॉलीवुड में वापसी की लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली.इस बीच भाग्यश्री ने भोजपुरी,मराठी और तेलगु फिल्मों में भी अभिनय किया.भाग्यश्री ने वर्ष 2023 में प्रदर्शित फिल्म किसी का भाई किसी का जान में कैमियो किया है.

उदयपुर पहुंचे विजय देवरकोंडा और रश्मिका

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार विजय देवरकोंडा और नेशनल क्रश रश्मिका मंदाना सोमवार को अपनी शादी की तैयारियों के लिए झीलों की नगरी उदयपुर पहुँच चुके हैं.

सोशल मीडिया पर अपनी शादी की आधिकारिक पुष्टि करने के ठीक एक दिन बाद, इस जोड़े को हैदराबाद से उदयपुर के लिए रवाना होते देखा गया. एयरपोर्ट पर विजय देवरकोंडा व्हाइट शर्ट, लेदर जैकेट और सनग्लासेस में अपने सिग्नेचर स्वैग में नजर आए, वहीं रश्मिका मंदाना ग्रे ब्लेजर और सफेद शर्ट वाले 'लेडी बॉस' लुक में अपनी मुस्कुराहट से फैंस का दिल जीतती दिखीं. कैमरे के सामने रश्मिका की खुशी और शर्म साफ झलक रही थी.

विजय और रश्मिका ने अपनी शादी को फैंस द्वारा दिए गए नाम 'विरोष' को समर्पित किया है. इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए कपल ने लिखा कि उनके रिश्ते को पहचान देने वाले फैंस ही हैं, इसलिए वे अपनी इस नई शुरुआत को 'विरोष की शादी' का नाम दे रहे हैं. 2018 में फिल्म 'गीता गोविंदम' से शुरू हुआ इनका सफर अब हकीकत में बदलने जा रहा है.

लोग हर बार आपसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करते हैं : रोहित

शेट्टी का कहना है, 'मैं जानता हूं कि जब लोग आपको एक खास अंदाज से जोड़ते हैं, तो इसका मतलब है कि वे हर बार आपसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करते हैं. और यही भरोसा आपको और बेहतर करने और स्तर ऊंचा उठाने के लिए प्रेरित करता है. चाहे वह कॉमेडी हो, एक्शन हो या हार्पिक के मामले में दमदार सफाई. हार्पिक वर्षों से स्वच्छता का भरोसेमंद नाम रहा है और बाथरूम हाइजीन का पर्याय बन चुका है. अल्ट्रा क्लीनर के साथ ब्रांड बाथरूम सफाई को एक नए स्तर पर ले जा रहा है. मुझे खुशी है कि मैं ऐसे उत्पाद से जुड़ा हूं जो मजबूत, भरोसेमंद भारतीय घरों के लिए डिजाइन किया गया है.'

अक्षया नाइक निभाएंगी ईना का किरदार !

शो 'हे भगवान- कितना बदल गया इंसान !' इन दिनों चर्चा में है. यह शो हल्के-फुल्के अंदाज़ में ह्यूमर, भावनाओं और आध्यात्मिक स्पर्श को एक मॉडर्न फैमिली कहानी के साथ जोड़ता है. इस शो में नई ताजगी और युवा जोश लेकर आ रही हैं अक्षया नाइक, जो ईना की भूमिका निभाएंगी. ईना, महेश शर्मा (जयशंकर त्रिपाठी) की बड़ी बेटी है. लगभग दो साल बाद अक्षया की हिंदी टेलीविजन पर वापसी हो रही है, जिसे वह बेहद खास मानती हैं. अक्षया नाइक, जोकि ईना का किरदार निभाती नजर आएंगी, ने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा, 'मैं इस शो का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं, क्योंकि यह सामान्य टीवी फॉर्मेट से अलग है. इसमें सास-बहू वाली पारंपरिक कहानी नहीं है, बल्कि हल्के-फुल्के सिटकॉम अंदाज़ के साथ एक प्यारी सी लव स्टोरी और रोम-कॉम का स्वाद है.

जगद्धात्री' ने पूरे किए 100 एपिसोड

ज़ी टीवी का पॉपुलर शो 'जगद्धात्री', जिसे राहुल कुमार तिवारी प्रोड्यूस कर रहे हैं, ने अपने 100 शानदार एपिसोड पूरे कर लिए हैं, जो पूरी कास्ट और क्रू के लिए एक बड़ा और खास मुकाम है. यह शो एक ऐसी लड़की की कहानी दिखाता है, जिसके अंदर दो अलग-अलग पहलू छिपे हैं और जो मुश्किल हालात में भी अपनी हिम्मत और ताकत से आगे बढ़ती है. जगद्धात्री (सोनाक्षी बत्रा) को अपने ही लोग नजरअंदाज करते हैं, उसे कमजोर समझते हैं और उससे प्यार नहीं करते, लेकिन जब वो अपने छिपे हुए रूप एजेंट जेडी में आती है, तो वह एक निडर अंडरकवर ऑफिसर बन जाती है, जो तेज, मजबूत और किसी से भी नहीं डरती. यही अलग और दिलचस्प कहानी दर्शकों को खूब पसंद आ रही है और उन्हें शो से जोड़े हुए है.

रहस्यमयी अंदाज में लौटीं जयती भाटिया

'जाने अनजाने हम मिले', जिसमें भरत अहलावत (राघव) और आयुषी खुराना (रीत) नजर आ रहे हैं, अब कहानी में एक बड़ा और चौंकाने वाला मोड़ लेकर आ रहा है. जानी-मानी एक्ट्रेस जयती भाटिया की दमदार वापसी के साथ शो में ड्रामा और सस्पेंस दोनों और बढ़ने वाले हैं. दर्शकों ने पहले उनके शारदा वाले किरदार को खूब पसंद किया था, और अब वो बिल्कुल नए अंदाज में लौट रही हैं. इस बार जयती भाटिया शो में शालिनी बत्रा नाम का नया किरदार निभाती नजर आएंगी, जो अपने साथ कई सवाल और राज़ लेकर आई है. शालिनी के किरदार को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही जबर्दस्त उत्सुकता बनी हुई है. अपने नए रोल के बारे में जयती भाटिया कहती हैं, 'फिलहाल शालिनी बत्रा का किरदार धीरे-धीरे सामने आ रहा है.

तीसरी पीढ़ी की फॉर्च्यूनर आने को तैयार

भारतीय वाहन बाजार में दमदार पहचान बना चुकी टोयोटा फॉर्च्यूनर अब अपने नए अवतार में दस्तक देने की तैयारी में है. ताकत, भरोसे और शान की प्रतीक मानी जाने वाली यह पूर्ण आकार एसयूवी अब तीसरी पीढ़ी में प्रवेश करने जा रही है. कंपनी इसे और अधिक आधुनिक, तकनीकी रूप से उन्नत तथा भविष्य के अनुरूप बनाने पर काम कर रही है.

नई फॉर्च्यूनर हाल ही में पेश की गई टोयोटा हाइलक्स के प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी. इसमें उन्नत आईएमवी यानी इनोवेटिव इंटरनेशनल मल्टी पर्पज व्हीकल आर्किटेक्चर दिया जाएगा. यह पहले की तरह लैडर फ्रेम संरचना पर आधारित रहेगा, लेकिन इसे अधिक मजबूत और आधुनिक बनाया जाएगा. यह प्लेटफॉर्म पेट्रोल, डीजल, 48 वोल्ट माइल्ड हाइब्रिड, पूर्णतः इलेक्ट्रिक और हाइड्रोजन फ्यूल सेल जैसे पावरट्रेन को सपोर्ट करने में सक्षम होगा.

डिजाइन की बात करें तो नई फॉर्च्यूनर में अधिक बोल्ड और सीधा फ्रंट लुक देखने को मिल सकता है. इसमें बड़ी ग्रिल, तीखे हेडलैंप और सपाट बोनट दिया जाएगा. पीछे की ओर चौकोर डिजाइन, नए टेललैंप और बदला हुआ बंपर मिल सकता है. कुल मिलाकर इसका रग्ड कैरेक्टर बरकरार रहेगा, लेकिन अंदाज ज्यादा आधुनिक होगा.

केबिन को भी पूरी तरह नया रूप दिया जाएगा. इसमें 12.3 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले और 12.3 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम मिल सकता है. साथ ही इलेक्ट्रिक एडजस्टेबल फ्रंट सीट्स, सीट वेंटिलेशन, इलेक्ट्रिक पावर स्टीयरिंग और अपडेटेड टोयोटा सेफ्टी सेंस जैसे एडवांस ड्राइवर असिस्ट फीचर्स शामिल किए जा सकते हैं. ओवर द एयर यानी ओटीए अपडेट की सुविधा भी दी जाएगी, जिससे वाहन की इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली समय-समय पर अपडेट होती रहेगी. इंजन विकल्पों में 2.8 लीटर डीजल और 2.7 लीटर पेट्रोल इंजन के साथ 2.8 लीटर 48 वोल्ट माइल्ड हाइब्रिड डीजल इंजन मिलने की संभावना है.

टाटा पंच ईवी फेसलिफ्ट लॉन्च

468 किमी रेंज

भारत के इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में एक बड़ा कदम उठाते हुए टाटा मोटर्स ने अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी टाटा पंच ईवी का फेसलिफ्ट संस्करण आधिकारिक रूप से लॉन्च कर दिया है. नए अवतार में यह गाड़ी पहले से अधिक आकर्षक, आधुनिक और तकनीकी रूप से उन्नत बनकर सामने आई है. कंपनी ने इसमें डिजाइन, सुविधाओं और रेंज के स्तर पर कई अहम बदलाव किए हैं, जिससे यह अपने सेगमेंट में और मजबूत दावेदारी पेश करती है.

नई पंच ईवी फेसलिफ्ट में बाहरी रूप से कई परिवर्तन देखने को मिलते हैं. इसमें नई एलईडी हेडलाइट्स, पीछे की ओर कनेक्टेड एलईडी टेल लाइट, नए डिजाइन के 16 इंच के मिश्रधातु पहिए और बेहतर फ्रंट प्रोफाइल दिया गया है. अंदरूनी हिस्से में भी इसे आधुनिक बनाया गया है. इसमें 10.25 इंच का टच स्क्रीन मनोरंजन प्रणाली, पूर्णतः डिजिटल उपकरण क्लस्टर, 360 डिग्री कैमरा, स्वचालित डिमिंग आंतरिक रियर व्यू मिरर और एकल सनरूफ जैसी सुविधाएं दी गई हैं. ये सभी विशेषताएं इस वाहन को प्रीमियम अनुभव प्रदान करती हैं.

बैटरी और रेंज के मामले में भी कंपनी ने इसे दमदार बनाया है. पंच ईवी फेसलिफ्ट को 30 किलोवाट घंटा और 40 किलोवाट घंटा क्षमता वाली बैटरी विकल्पों के साथ पेश किया गया है. बड़ी बैटरी विकल्प के साथ यह वाहन अधिकतम 468 किलोमीटर तक की प्रमाणित रेंज देने में सक्षम है. इसमें दी गई विद्युत मोटर लगभग 82.95 किलोवाट की शक्ति उत्पन्न करती है.

साथ ही, इसमें रीजन मोड और विभिन्न ड्राइविंग मोड्स का विकल्प भी दिया गया है, जिससे चालक अपनी जरूरत के अनुसार प्रदर्शन चुन सकता है. कीमत की बात करें तो कंपनी ने इसे प्रतिस्पर्धी दर पर उतारा है. इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 9.69 लाख रुपये रखी गई है, जबकि शीर्ष वेरिएंट की एक्स-शोरूम कीमत 12.59 लाख रुपये तक जाती है.

बैटरी ऐज़ ए सर्विस योजना के तहत इसे 6.49 लाख रुपये की प्रारंभिक कीमत पर भी खरीदा जा सकता है.

कुल मिलाकर, नई पंच ईवी फेसलिफ्ट बेहतर फीचर्स, लंबी रेंज और आकर्षक कीमत के साथ भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों की दौड़ को और तेज करने वाली साबित हो सकती है.

दुनिया की पसंदीदा इलेक्ट्रिक एसयूवी

दुनिया भर में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता के बीच टेस्ला मॉडल वाई को सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली इलेक्ट्रिक कार माना जा रहा है. अमेरिकी कंपनी की यह प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी अपनी लंबी रेंज, उन्नत तकनीक और उच्च सुरक्षा मानकों के कारण वैश्विक बाजार में मजबूत पहचान बना चुकी है. भारत में भी इसे आधिकारिक रूप से पेश किया गया है और ग्राहकों का उत्साह लगातार बढ़ रहा है.

हाल ही में मॉडल वाई को पहली बार उत्तर प्रदेश के नोएडा में प्रदर्शित किया जा रहा है. 20 से 26 फरवरी 2026 तक सेक्टर 62 स्थित कैंडोर टेक पार्क में इसे प्रदर्शित किया जा रहा है, जहां इच्छुक ग्राहक इसे करीब से देख सकते हैं और परीक्षण ड्राइव का अनुभव भी प्राप्त कर सकते हैं. विशेषताओं की बात करें तो मॉडल वाई में 15.4 इंच की बड़ी टच स्क्रीन दी गई है, जो वाहन के अधिकांश नियंत्रणों को संचालित करती है. इसमें हीटेड और वेंटिलेटिड सीट्स, एंबिएंट लाइटिंग, रियर व्हील ड्राइव प्रणाली, नौ स्पीकर वाला प्रीमियम साउंड सिस्टम, ऑटोमेटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग, ब्लाइंड स्पॉट कॉलिजन वार्निंग और टिंटेड ग्लास रूफ जैसी सुविधाएं दी गई हैं. सुरक्षा के लिहाज से भी यह वाहन उच्च मानकों पर खरा उतरता है और कई अंतरराष्ट्रीय क्रैश परीक्षणों में बेहतरीन प्रदर्शन कर चुका है. रेंज इसकी सबसे बड़ी ताकत मानी जाती है. कंपनी इसे दो बैटरी विकल्पों के साथ उपलब्ध कराती है. सामान्य रेंज संस्करण एक बार पूर्ण चार्ज होने पर लगभग 500 किलोमीटर तक चल सकता है, जबकि लॉन्ग रेंज संस्करण 661 किलोमीटर तक की दूरी तय करने में सक्षम है. यह लंबी रेंज इसे दैनिक उपयोग के साथ-साथ लंबी यात्राओं के लिए भी उपयुक्त बनाती है.

पुरानी बाइकों के लिए ई20 किट

बीएस3-बीएस4 बाइकों को नई जिंदगी

पुरानी बाइकों का भरोसा बरकरार रखने के लिए रॉयल एनफील्ड ने एक अहम कदम उठाया है. कंपनी ने बीएस3 और बीएस4 मॉडल इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों के लिए विशेष 'ई20' कन्वर्जन किट पेश की है. यह किट खास तौर पर उन बाइक मालिकों के लिए राहत लेकर आई है, जो एथनॉल मिश्रित ई20 पेट्रोल के कारण माइलेज में कमी और मेंटनेंस बढ़ने जैसी समस्याओं का सामना कर रहे थे.

यह कन्वर्जन किट पुरानी बुलेट, क्लासिक 350 और थंडरबर्ड जैसे लोकप्रिय मॉडलों में लगाई जा सकेगी. कंपनी द्वारा जेन्युइन ई20 कम्पैटिबल कार्ब्युरेटर उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे फ्यूल सिस्टम में जंग लगने, रबर सील खराब होने और फ्यूल लीकेज जैसी दिक्कतों को कम किया जा सके. इसके साथ गैसकेट और ऑयल सील भी ई20 मानक के अनुसार बदले जाएंगे.

दरअसल, ई20 पेट्रोल में एथनॉल की मात्रा अधिक होती है. एथनॉल की एनर्जी डेंसिटी सामान्य पेट्रोल से कम होती है, जिससे माइलेज में हल्की गिरावट आ सकती है. कई वाहन मालिकों ने कोल्ड स्टार्ट की समस्या, इंजन मिसफायर और अनस्टेबल आइडलिंग की शिकायतें भी की थीं. पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने भी माना है कि एथनॉल मिश्रित ईंधन के कारण माइलेज में 1 से 6 प्रतिशत तक का असर संभव है.

रिपोर्ट्स के अनुसार इस कन्वर्जन किट की कीमत लगभग 1,700 रुपये बताई जा रही है. वहीं जेन्युइन कार्ब्युरेटर की कीमत 3,000 से 4,200 रुपये के बीच हो सकती है. गैसकेट और सील बदलने का खर्च करीब 1,200 से 1,800 रुपये तक आ सकता है. यह सुविधा उन मॉडलों के लिए उपयोगी है, जो वर्ष 2009 से 2020 के बीच बेचे गए और ई20 के अनुरूप डिजाइन नहीं किए गए थे. सरकार द्वारा एथनॉल मिश्रित पेट्रोल को बढ़ावा दिए जाने के बाद वाहन कंपनियां भी अपने उत्पादों को अनुकूल बनाने में जुटी हैं. रॉयल एनफील्ड के अलावा अन्य दोपहिया निर्माता भी ई20 कम्पैटिबल रेट्रोफिट किट उपलब्ध करा रहे हैं.

विशेषज्ञों के अनुसार बेहतर प्रदर्शन के लिए समय-समय पर फ्यूल सिस्टम क्लीनर का उपयोग किया जा सकता है.